

## Aus dem Inhalt:

# Weihnachten 1984

- |      |   |                         |
|------|---|-------------------------|
| 1.   | Wunderbares Weben                       | Agnes Miegel            |
| 2.   | Aus dem Dorfbuch von Redigkainen        |                         |
| 3.   | Jomendorf oder Jommendorf?              | H. Monkowski            |
| 4a.  | Ostpreußische Speisekarte               |                         |
| 4b.  | Bei uns wird nicht benötigt             | aus dem Ploetz          |
| 5a.  | Ein Landrat erzählt:<br>Vom Straßenbau  | Walter Pauly            |
| 5b.  | Von der Maultierzucht                   |                         |
| 6.   | „Menschen, Pferde, weites Land“         | Hans Graf von Lehndorff |
| 7.   | Zufälle                                 | W. Margowski            |
| 8.   | Erinnerungen                            | Christel Otto           |
| 9.   | Dorfstraße in Jonkendorf                | W. Frösa                |
| 10.  | Heimatliche Laute unter südlicher Sonne | M. Kostka               |
| 11.  | Nachrichten                             |                         |
| 12.  | Berichte                                |                         |
| 12a. | vom Schauterner Treffen                 | A. Schröter             |
| 12b. | vom Jommendorfer Treffen                | M. Kostka               |
| 13.  | Bücherecke                              |                         |
| 14.  | Liebe Ehemalige                         | M. Kostka               |
| 15.  | Liebe Allensteiner                      | W. Otto                 |
| 16.  | Unsere Spender                          | T. Kunigk -             |